ECONOMICS

B A PART III

PAPER VII

Statistical Methods

- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवम प्रशिक्षण परिषद (NCERT) की Website ncert.nic.in पर जाएं।
- इसके मुख्य page पर सबसे ऊपर Link लिखा हुआ है।

Link के विषय सामग्री (content) में E-Books दिया हुआ है। इस बटन को दबाएं (click करें)।

- नए पेज पर E-Books के नीचे

Textbooks of Classes I-XII (PDF)

लिखा मिलेगा। इस बटन को दबाएं (click करें)।

- पुनः नए पेज पर

Select Class में **Class XI** के गोले को दबाएं ।

Select Subject में **Statistics** के गोले को दबाएं ।

Select Book Title में **Sankhyiki** के गोले को दबाएं ।

पुनः **Go** के गोले को दबाएं ।

- पुस्तक "अर्थशास्त्र में सांख्यिकी" का चित्र आयेगा। साथ ही बाएं इसके अध्यायों की सूची आयेगी।
- इसके **सातवां अध्याय, Chapter- 7 "सहसंबंध "** का अध्ययन करें।

अर्थशास्त्र अथवा अन्य विषयों में किन्हीं दो चारों के बीच संबंध होता है जैसे वस्तु के मूल्य और मांग की गई मात्रा में विपरीत संबंध है। या वस्तु के मूल्य और पूर्ति की गई मात्रा में प्रत्यक्ष संबंध है।

सहसंबंध किन्हीं दो संबंधित चरों के बीच के संबंध की गहराई और दिशा को मापता है।

यही दो चर x एवम y सहानभूतिपूर्वक एक ही दिशा में बढ़ या घट रहे हों तो उनके बीच धनात्मक सहसंबंध है।

इसके विपरीत यही दो चर x एवम y सहानभूतिपूर्वक विपरीत दिशा में बढ़ या घट रहे हों तो उनके बीच ऋणात्मक सहसंबंध है।

उपर दिए गए उदाहरण में मूल्य एवं मांग की मात्रा में ऋणात्मक सहसंबंध है जबकि मूल्य एवं पूर्ति की गई मात्रा के बीच धनात्मक सहसंबंध है।

अध्याय में दर्शाया गया है कि विभिन्न प्रकीर्ण अरेख (scatter diagram) किस प्रकार के सहसंबंध को दर्शाता है।

यदि प्रकीर्ण अरेख में सभी data point एक सीधी रेखा में हों जिसकी दिशा बाएं से दाएं ऊपर की ओर हो तो यह दर्शाता है कि दोनों चारों के बीच पूर्ण धनात्मक सहसंबंध है।

यदि प्रकीर्ण अरेख में सभी data point एक सीधी रेखा में हों जिसकी दिशा बाएं से दाएं नीचे की ओर हो तो यह दर्शाता है कि दोनों चरों के बीच पूर्ण ऋणात्मक सहसंबंध है।

यदि प्रकीर्ण अरेख में सभी data point आस पास एक ही दिशा में गमन कर रही हों जिसकी दिशा बाएं से दाएं नीचे की ओर हो तो यह दर्शाता है कि दोनों चरों के बीच उच्च ऋणात्मक सहसंबंध यदि चरों के गमन कि दिशा एक हो किन्तु data point आस पास सटे हुए न हों तो चरों के बीच निम्न ऋणात्मक सहसंबंध है।

यदि प्रकीर्ण अरेख में सभी data point आस पास एक ही दिशा में गमन कर रही हों जिसकी दिशा बाएं से दाएं उपर की ओर हो तो यह दर्शाता है कि दोनों चरों के उच्च धनात्मक सहसंबंध है। यदि चरों के गमन की दिशा एक हो किन्तु data point आस पास सटे हुए न हों तो चरों के बीच निम्न धनात्मक सहसंबंध है।

ऐसा भी संभव है कि data point आस पास न हों और किसी एक दिशा में न गमन कर रही हों। यह स्थिति यह दर्शाती है कि दोनों चरों के बीच कोई सहसंबंध नहीं है ।

प्रकीर्ण अरेख , सहसंबंध की परिभाषा और अवधारणा इस अध्ययन की तर्कसम्मत शुरुआत है।

यह अवधारणा आगे अर्थशास्त्र के ज्ञान और अध्ययन के लिए भी महत्वपूर्ण है।

इस क्षेत्र से २० अंक का एक प्रश्न अवश्य पूछा जाता जो सामान्यतः numerical प्रश्न के रूप में होता है।

या १० वें प्रश्न हो टिप्पणी के रूप में होता है उसके एक अंश यानी 10 अंक के सैद्धांतिक प्रश्न के रूप में पूछा जा सकता है।

अतः इसकी तैयारी आवश्यक है।

- इस पुस्तक में 9 अध्याय हैं। सभी हमारे कोर्स से संबंधित और उपयोगी हैं। इस पुस्तक का अध्ययन खासकर उन छात्रों के लिए उपयोगी है जिन्होंने इससे पहले सांख्यिकी का अध्ययन नहीं किया है।

- इस प्रथम परिचय पुस्तक को पढ़ने के बाद BA level की अन्य पुस्तकों का अध्ययन किया जाना आवश्यक है।

साथ ही कई प्रश्न छात्रों को हल करने के लिए दिया गया है जिससे उनकी समझ और विश्वास में निरंतर अभ्यास से वृद्धि हो।

कोरोनावायरस की इस विभीषिका काल में **राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवम् प्रशिक्षण परिषद (NCERT)** इस पठन सामग्री जो इंटरनेट पर सुलभ है का छात्र अपने ज्ञान वर्धन और परीक्षा की तैयारी के लिए उपयोग करेंगे और लाभ उठाएंगे।

Prof. Chanchal Kumar Pandey

Head

Department of Economics

Maharaja College

Ara